

प्रेषक,

मनीषा पंवार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
माध्यमिक शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3,

देहरादून, दिनांक: 28 फरवरी, 2013

विषय:- वित्तीय वर्ष 2012-13 में आवश्यकता से न्यून धनराशि प्राविधानित होने के कारण अतिरिक्त धनराशि की पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० अर्थ-1/57953/5क(15)/01/2012-13 दिनांक: 08 फरवरी, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत माध्यमिक शिक्षा परिषद का अधिष्ठान के अन्तर्गत कतिपय मदों में पर्याप्त बजट प्राविधान न होने के कारण विभिन्न देयकों के भुगतान हेतु संलग्नक बी०एम०-09 (भाग एक) प्रथम में इंगित के विवरणानुसार अनुदान सं० 11 के अधीन आयोजनेत्तर पक्ष में रुपये 1435 हजार (रुपये चौदह लाख पैंतीस हजार मात्र) को पुनर्विनियोजित करते हुए अवमुक्त करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- (1) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
- (2) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (3) किसी भी शासकीय व्यय हेतु Procurement Rules, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग-1 के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (4) यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (5) जिला एवं मण्डल स्तर पर संचालित विकास कार्यों का नियमित अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं स्थलीय सत्यापन Task Force गठित कर सुनिश्चित कराया जाय।
- (6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 193/XXVII (1)/2012 दिनांक: 30.03.2012 एवं शासनादेश संख्या: 183/XXVII(1)/2012 दिनांक: 28.03.2012 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन किया जायेगा।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान सं० 11 आयोजनेत्तर के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा, 02-माध्यमिक शिक्षा, 108-परीक्षाएं, 03-माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं 04-माध्यमिक शिक्षा परिषद का अधिष्ठान आय-व्ययक में संलग्नक में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।

क्रमशः.....2

(2)

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 63(NP)/XXVII(3)2012-13 दिनांक: 28 फरवरी, 2013 में प्राप्त सहमति के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोक्त।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 262/XXIV-3/13/02(25)2013 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव-सचिव, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल नैनीताल/गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी/कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 7- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- अनुभाग अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-2, 4 एवं 5 उत्तराखण्ड शासन।
- 11- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)  
उप सचिव।



५५३-बी०५०-०९ (आ०१-५५)

पुनर्विनिर्माण की स्वीकृति हेतु आवेदन

(इस प्रश्न को नरने से पहले कृपा मृष्ट के दूसरी ओर दिने अनुदेशों को साक्यानी पूर्वक देख ले)

लेखा शीर्षक (प्रत्येक योजना हेतु)

मुख्य शीर्षक :- 2202 सामान्य शिक्षा (आयोजनेत्तर)

उप मुख्य शीर्षक:- 02 माध्यमिक शिक्षा

लघु शीर्षक:- 108 परीक्षारं

उप शीर्षक:- 04 नाट्यात्मिक शिक्षा परिषद् का अधिष्ठान

विस्तृत शीर्षक:- 00

द्वितीय वर्ष-2012-2013

(रूपदे हजार में)

प्रमाणित किया जाता है कि पैरा 133 व 134 में विचारित शर्तों सीमाओं का इस पुनर्विनियोग में चत्त्वान नहीं किया गया है।

## Figure 2

(2)

सेवा में,  
महालेखाकार (ए एंड ई)  
उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

हस्ताक्षर.....  
नाम व पदनाम .....  
वित्त विभाग .....

हस्ताक्षर.....  
नाम व पदनाम .....सुनील श्री पांथरी  
प्रशासनिक विभाग माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3  
संख्या 262 / XXIV-3 / 02(25)13 दिनांक 20.02.2013

निम्नलिखित को सूचनार्थ व आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- मुख्य /वरिष्ठ कोषाधिकारी, वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, 23-लक्ष्मी रोड़, डालगवाला, देहरादून।
- 4- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग,(वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन)।

हस्ताक्षर.....  
नाम व पदनाम .....  
वित्त विभाग .....



**उत्तराखण्ड शासन**  
(वित्तीय वर्ष 2012-2013)  
**बी.एम. - 09**

अनुदान संख्या - 011  
पुनर्वित्तियोग स्वीकृति आदेश संख्या - .

अलोटमेंट आईडी - R1303110140  
दिनांक - 06-Mar-2013

(In Rupees)

क्रम संख्या	बजट प्राविधान तथा लेखासिर्शक (1)	मानक मदवार क्रमावधिक व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के अनुमानित व्यय (3)	अवशेष सरप्लस समायोजित धनराशी (4)	लेखाधीनक वित्तमे धनराशी स्थानान्तरित की जाती है (5)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल धनराशी (6)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ -1 में कुल धनराशी (7)	अभियक्ति
1	2202 सामान्य शिक्षा 02 माध्यमिक शिक्षा 108 परीक्षाएं 04 माध्यमिक शिक्षा परिसर का अधिष्ठान 00 माध्यमिक शिक्षा परिसर का अधिष्ठान (Non Plan Voted)							
2	03 - महुंगाई भूमा	14280000	13924948	200000	04 - यात्रा व्यय	1344000	7544000	14080000
3	06 - अन्य भूमे	2520000	1306058	800000				1720000
4	16 - व्यावसायिक तथा विशेष से	400000	31850	300000				100000
5	45 - अवकाश यात्रा व्यय	100000	8565	44000				56000

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्वित्तियोग क्रिये जाने हेतु प्रथम 15 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23- सक्षमी रोड शालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी जाय

**(सुभाषी पंथी)**  
उप सचिव,  
वित्तियोगी शिक्षा विभाग  
उत्तराखण्ड शासन